पंजाब केसरी 01/04/2025

# गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'एक्सेल में चैट जीपीटी का उपयोग' टॉपिक पर हुआ संकाय विकास कार्यक्रम

अम्बाला, 29 मार्च (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज के गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा 'एक्सेल में चैट जीपीटी का उपयोग' पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

अपने संदेश में प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने कहा कि विभिन्न सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों में आर्टिफिशियल इंटैलिजैंस के एकीकरण ने उपयोगकर्त्ताओं द्वारा डेटा के साथ बातचीत और विश्लेषण करने के तरीके को महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया है। ऐसा ही एक ए.आई. उपकरण चैट जीपीटी है, जो ओपन ए.आई. द्वारा विकसित एक प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण मॉडल है। चैटजीपीटी कार्यों को स्वचालित करने, अंतर्दृष्टि प्रदान करने और माइक्रोसॉफ्ट एक्सेल जैसे सॉफ्टवेयर अनुप्रयोगों के साथ बातचीत को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकता है।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'एक्सेल में चैटजीपीटी का उपयोग' पर आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम को संबोधित करतीं रिसोर्सपर्सन।

कार्यक्रम की संसाधन व्यक्ति कॉलेज की सहायक प्रोफैसर नीलम कैशवर ने कहा कि एफ.डी.पी. का प्राथमिक उद्देश्य गैर-शिक्षण को उनके दैनिक कार्यों में एआई के विभिन्न उपयोगों के बारे में शिक्षित करना था। इसने भविष्य में ए.आई. के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने पर ध्यान केंद्रित किया। कार्यक्रम को एक व्यापक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया था। व्याख्यान में 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने एक इंटरैक्टिव शिक्षण वातावरण की सुविधा प्रदान की, जिसमें कर्मचारी सक्रिय रूप से संसाधन व्यक्ति के साथ चर्चा और प्रश्नोत्तर सत्रों में शामिल हुए। चैटजीपीटी उन कार्यों को स्वचालित कर सकता है जिनके लिए सामान्य रूप से मैन्युअल इनपुट की आवश्यकता होती है, जिससे उपयोगकर्त्ता अधिक जटिल कार्यों या निर्णय लेने की प्रक्रियाओं पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इससे समग्र उत्पादकता बढ़ जाती है।